Sixteenth Loksabha

an>

Title: Regarding issues relating to border areas of the country.

श्री जुगल किशोर (जम्मू): अध्यक्ष महोदया जी, आपने मुझे इस सत्र में पहले ही दिन अपने क्षेत्र की एक विशेष समस्या की ओर ध्यान दिलाने का मौका दिया है। …(व्यवधान) मैं आपके माध्यम से नरेन्द्रभाई मोदी, जो देश के प्रधान मंत्री हैं और गृह मंत्री श्री राजनाथ सिंह और पूरी सरकार का आभार प्रकट करना चाहता हूँ। इन्होंने जम्मू एवं कश्मीर के बॉर्डर क्षेत्र के लोगों के लिए वहाँ के बहुत सारे पेंडिंग काम पूरे किए हैं, उनकी बहुत सारी डिमांड्स पूरी की हैं। अब उन लोगों की एक डिमांड रहती है। बॉर्डर क्षेत्र में रहने वाले लोग सांबा और कठुआ से लेकर राजौरी और पुंछ तक बॉर्डर पर डटे हुए हैं। वे बॉर्डर पर ही रहते हैं। अब समस्या यह आती है कि बॉर्डर पर जो फेंसिग, काँटेदार तार लगी हुई है, उसके उस पार पाकिस्तान वाली साइड की हजारों एकड़ जमीन किसानों की है। अब किसान वहाँ खेती-बाड़ी के लिए नहीं जा सकते हैं। वह जमीन बंजर बन गई है और जंगल बन चुकी है।

अध्यक्ष महोदया जी, मेरी और पूरे जम्मू एवं कश्मीर के लोगों की आपसे यह डिमांड है कि सरकार उस जमीन की फसल का मुआवजा उन किसानों को दे। …(व्यवधान) वही तो उनकी जमीन है। उनके पास और कोई रोजी-रोटी का साधन नहीं है। उनको परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। …(व्यवधान) मैं सरकार से निवेदन करता हूँ कि उस क्षेत्र के लिए कुछ धनराशि आबंटित की जाए, ताकि वे किसान जो काँटेदार तार के उस पार की जमीन पर फसल नहीं उगा पा रहे हैं, उनको जल्द से जल्द उस जमीन का मुआवजा मिले, यह मेरी आपसे प्रार्थना है। …(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : कुँवर पुष्पेन्द्र सिंह चन्देल, श्री भैरों प्रसाद मिश्र, श्री रवीन्द्र कुमार जेना को श्री जुगल किशोर द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।

खड़गे जी, आप कुछ कहना चाहते हैं?

…(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : अब किस बात पर सब लोग एक साथ उठकर खड़े हो रहे हैं? क्या हो गया? मैं खड़गे जी को बोल तो रही हूँ। क्या कर रहे हो?

खड़गे जी, आप सलाह-मश्विरा ही करते रहोगे?

…(व्यवधान)